

**Status of infrastructure and road projects
in Himachal Pradesh**

*158. SHRIMATI VIPLOVE THAKUR: Will the Minister of ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that a large number of infrastructure and road projects are stuck and their completion is pending in Himachal Pradesh;
- (b) if so, the details thereof and the reasons therefor, project-wise; and
- (c) the time by which these projects would be completed in all respects?

THE MINISTER OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (SHRI NITIN JAIRAM GADKARI): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) 4 projects have been delayed due to land acquisition issues, NGT Stay on account of tree cutting, shifting of electric towers and delay on part of contractor due to financial crunch etc. The details of projects are given in the Annexure.

Annexure

Details of infrastructure and road projects in Himachal Pradesh

Sl. No.	Name of Project	Length (Km.)	Sanct- ioned Cost/TPC (₹ in crore)	Current status (Physical progress %)	Revised Date of Completion	Reasons for Delay
1	2	3	4	5	6	7
NH works undertaken by NHAI						
1	Four laning of Kiratpur to Nerchowk section of NH-21 from km. 73.200 to km. 186.50 in the State of Punjab and Himachal Pradesh to be executed as BOT	84.38	1818.47	63.21	Within 2 Years of the award of Balance Work	Bankruptcy of the Concessionaire (M/S ILFS Transportation Network Limited)

1	2	3	4	5	6	7
	(TOLL) on DBOFT pattern under NHDP-III-					
2	Four laning of Parwanoo-Solan Section of NH-22 (New NH-05)	39.139	748.70	74.07	March, 2020	Delay in Land Acquisition, Tranfer of Defence Land (now resolved), NGT stay on cutting of trees (now resolved), Delay in Utility Shifting (5 nos. of Towers, Water Pipelines), Delay on part of the contractor particularly in slope stabilization
NH works undertaken by HPPWD						
1.	Re-construction of Batta bridge at km. 96/600 on NH-72	-	26.25	72	Dec., 2019	Delay in Acquisition of Private Land in the River which has now been resolved
2.	Construction of retaining walls and crash barrier etc. in selected reaches from km. 307.00 to km. 334.00 of NH-22 (New NH-05)	-	19.44	70	Dec., 2019	Under-perfor- mance by the contractor due to extreme weather conditions and restrained topography

श्रीमती विप्लव ठाकुर: माननीय सभापति जी, मैं मंत्री जी को बताना चाहती हूँ कि परवानू की सड़क को ब्रॉड करने के लिए जो फोर-लेनिंग का काम चल रहा है, वहाँ कॉन्ट्रेक्टर की वजह से काम नहीं हो रहा है, जबकि इन्होंने कहा है कि सब कुछ हो गया है। परवानू से शिमला जाने में पहले जहाँ ढाई घंटे लगते थे, उसमें अब पाँच-पाँच, छः-छः घंटे लगते हैं, क्योंकि वहाँ पर slips आ जाते हैं, landslides होती हैं। उसको खत्म करने के लिए क्या कॉन्ट्रेक्टर बदलने की कोशिश की जाएगी या उसी से जुर्माना लेकर यह काम तेजी से करवाया जाएगा?

श्री नितिन जयराम गडकरी: सभापति महोदय, परवानू से सोलन तक फोर-लेनिंग का काम चल रहा है। यह 40 किलोमीटर का काम है, जिसकी कीमत करीब 750 करोड़ रुपये है और इसमें 74.07 परसेंट काम हुआ है। इसमें जो डिले हुआ है, उसके पीछे कारण यह है कि वहाँ समय पर land acquisition नहीं हो पाया है। वहाँ सबसे बड़ी प्रॉब्लम डिफेंस लैंड की है और डिफेंस लैंड की प्रॉब्लम सुलझाने में भी डेढ़-डेढ़, दो-दो साल लगते हैं। मैं ऐसे सभी इश्यूज को आदरणीय डिफेंस मिनिस्टर के सामने रखकर उनका भी सहयोग लेने वाला हूँ। उसमें बाद में एनजीटी स्टे दे देती है। इसमें भी ट्री कटिंग के लिए स्टे दिया गया है। इस तरह से land available न होना, delay in utility shifting जिसमें इलेक्ट्रिक के पाँच टॉवर्स आए, उनको शिफ्ट करने में भी टाइम लगा, फिर वॉटर पाइप लाइन की shifting में भी डिले हुआ। इसमें अगर समय ही नहीं मिल पाएगा, तो फिर कॉन्ट्रैक्टर काम कैसे कर पाएगा? इसमें बहुत-सी बातें राज्य सरकार से जुड़ी हुई हैं। ...**(व्यवधान)**... काफी चीज़ें क्लीयर हो गई हैं, अब यह काम जल्दी होगा।

श्रीमती विप्लव ठाकुर: महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि जहां पर कटाई हो गई है, वहां रिटेनिंग walls क्यों नहीं बन रही हैं, वहीं से landslides हो रहे हैं और गाड़ियां चार-चार घण्टे फंसी रहती हैं, लोगों को मुश्किल होती है, टूरिस्ट्स का बहुत ज्यादा harassment होता है, वहां retaining walls लगायी जाएं, उसमें विलम्ब क्यों हो रहा है?

श्री नितिन जयराम गडकरी: सभापति महोदय, जिस एरिया में यह समस्या है, वहां काम करने में काफी कठिनाइयां हैं, किंतु मैं आदरणीय सदस्य से यह कहूंगा कि हम इस काम को साधारणतया 6 से 8 महीने के अंदर पूरा करने की कोशिश करेंगे, 75 परसेंट काम हुआ है, delay की समस्या भी अब दूर हो गई है और हम लोग इस काम को जल्द ही पूरा करेंगे।

Casualties of soldiers serving at high altitudes

*159. SHRI HARSHVARDHAN SINGH DUNGARPUR: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that there have been some casualties of soldiers serving at the high altitudes;
- (b) if so, the details thereof for the last three years and the reasons therefor; and
- (c) action taken by Government to prevent such casualties and provide congenial atmosphere to the soldiers working at high altitudes like Siachen?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI RAJNATH SINGH): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

- (a) and (b) Yes, Sir. The details for the last three years are as under: